आइआइएम रांची टेडएक्स में सिक्के के तीसरे पहलू पर चर्चा, स्मृति ईरानी ने कहा

कमजोरों की पहचान नहीं बनती इसलिए जज्बे के साथ काम करें

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

आइआइएम पुंदाग स्थित स्वामी विवेकानंद सभागार में टेडएक्स

केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी शनिवार को भावी प्रबंधकों के साथ रू-ब-रू हुईं. उन्होंने कहा कि समाज में कमजोर लोगों की पहचान नहीं बनती. इसलिए अपने कार्यक्षेत्र में खुद की पहचान बनाने के लिए जज्बा जरूरी है. स्मृति ईरानी बतौर विशिष्ट अतिथि आइआइएम रांची के 'टेडएक्स' को ऑनलाइन संबोधित कर रही थीं. विद्यार्थियों से कहा : जुनूनी महिलाओं के लिए घर से बाहर निकलना और काम करना एक चुनौती रही है. मैं भी परिवार की पहली महिला थी, जिसने घर के बाहर कदम रखा और अभिनय के क्षेत्र में खुद को साबित करने में जुटी रही. लक्ष्य था खुद को एक सफल अभिनेत्री बनाना. यही कारण है कि आज भी आमलोग मुझे तुलसी के रूप में ही जानते हैं. इस दौरान एक छात्रा ने स्मृति ईरानी की पहली किताब 'लाल सलाम' के बारे में पूछा, तो उन्होंने कहा कि यह पुस्तक अप्रैल 2010 में छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में हुई सीआरपीएफ के 76 जवानों की हत्या से प्रेरित है. खासकर यह किताब नक्सली इलाकों में जिंदगी बितानेवाले पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि देने के लिए लिखी है.

हुनर को ढाल बनाकर जीवन में आगे बढ़ें विद्यार्थी : शम्स आलम

भारतीय पैरा तैराक शम्स आलम शेख ने विद्यार्थियों को विपरीत परिस्थिति में भी खुद को मजबूत बनाये रखने की सीख दी. उन्होंने कहा कि देश में दिव्यांगों की आबादी 15 फीसदी है. इन दिव्यांगजनों को समाज का हिस्सा बनाना जरूरी है. मो शेख ने बताया कि भारत में एक दिव्यांग के लिए विदेश से इंपोर्ट होनेवाली व्हीलचेयर की कीमत करीब दो लाख रुपये होती है, जिसे आम दिव्यांग खरीद नहीं सकता. तकनीक के विकास के बावजूद देश में इसका विकल्प तैयार नहीं किया गया है. प्रबंधन के विद्यार्थी उद्यमिता के क्षेत्र में बेहतर काम कर इसका विकल्प तैयार करते हैं, तो कई दिव्यांग खुद को बेहतर साबित कर सकते हैं.

नियमित सीखने की प्रवृत्ति और कठिन परिश्रम अहम : राजीव सिंह

माइक्रोसॉफ्ट इंडिया के एमडी सह कॉरपोरेट वाइस प्रेसिडेंट राजीव कुमार ने कहा कि जीवन में सफलता और असफलता दोनों से ही व्यक्ति को सीख लेनी चाहिए और आगे बढ़ना चाहिए. विद्यार्थियों को माइक्रोसॉफ्ट में अपने अब तक के सफर के बारे में बताया. कहा : उन्हें पहले दिन से ही क्या सीख कर आये हैं, उससे ज्यादा क्या नया सीखना है इसके लिए तैयार किया गया. राजीव कुमार ने विद्यार्थियों को लगातार सीखने, खुद को एक प्रबंधक के रूप में तैयार करने, सही समय पर उचित निर्णय लेने, खुद में नियमित बदलाव और अनुभव से सीख लेकर बेहतर करने के गुर बताये.

डॉ आनंद शंकर

जिंदगी में या तो हां या ना को अपनायें

आइआइएम पुंदाग स्थित स्वामी विवेकानंद सभागार में आयोजित टेडएक्स में देशभर के वक्ताओं ने 'सिक्के का तीसरा पक्ष पर विचार दिये. क्लासिकल डांसर पद्मश्री डॉ आनंद शंकर जयंत ने कहा कि जीवन में या तो हां या ना के विचार को अपनायें. इंसान चाहे, तो फुल टाइम जॉब के साथ अपने हुनर को निखार सकता है. इसी प्रयास से समाज में विशिष्ट पहचान बनती है. डॉ आनंद शंकर ने विद्यार्थियों को शास्त्रीय नृत्य के नौ रस को जीवन के विभिन्न पहलुओं से जोड़कर खुद को प्रेरित रखने की सीख दी.

विकी रत्नानी

सिर्फ परिश्रम ही है सफलता का विकल्प

शेफ विकी रत्नानी ने सिक्के के तीसरे पक्ष को संतुलित जीवन के रूप में समझाया. कहा कि सफल होने का विकल्प सिर्फ परिश्रम है. इसके अलावा फेमिना मिस इंडिया 2018 की पहली रनरअप मीनाक्षी चौधरी, पद्मश्री उद्धव कुमार भराली ने भी विद्यार्थियों को प्रेरित किया. आइआइएम रांची के निदेशक प्रो शैलेंद्र सिंह ने विद्यार्थियों को खुद के लिए कठिन परिश्रम और ईमानदार रहकर इंसानियत के लिए काम करने की प्रेरणा दी. उन्होंने बताया कि 15 दिसंबर को 13वां स्थापना दिवस मनेगा.

Prabhat Khabar, 12.12.2021, Pg. 10